करेंट अफेयर्स

बिहार

(संग्रह)

Drishti IAS

मार्च

2025

Drishti, 641, First Floor,
Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

अनुक्रम

बिहार 3

- आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 3
- डॉ. राजेंद्र प्रसाद का 62वाँ निर्वाण दिवस 5
- बिहार बजट 2025-26 5
- प्रधानमंत्री आवास योजना- ग्रामीण 8
- वाल्मीकि महोत्सव-2025 9
- शौर्य वेदनाम उत्सव 10
- बिहार मंत्रिमंडल में बदलाव 11
- बाल विवाह उन्मूलन हेतु टास्क फोर्स 12
- बिहार को मिला डिजिटेक अवाड्र्स 2025 14
- बिहार के लिये विशेष श्रेणी का दर्जा 14
- बिहार दिवस 16
- विक्रमशिला विश्वविद्यालय 17
- बक्सर और पश्चिम चंपारण में SEZ 18

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

बिहार

आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25

चर्चा में क्यों ?

बिहार के वित्त मंत्री द्वारा 28 फरवरी 2025 को विधानसभा में आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 प्रस्तुत किया गया।

- यह राज्य का 19वाँ आर्थिक सर्वेक्षण है, जिसमें बिहार की अर्थव्यवस्था की स्थिति और विकास की दिशा को लेकर विस्तार से चर्चा की गई है।

मुख्य बिंदु

- **आर्थिक वृद्धि दर**
  - अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में बिहार देश में सबसे तेज़ी से बढ़ने वाले राज्यों में **दूसरे स्थान पर है।**
  - वित्तीय वर्ष 2023-24 में बिहार का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP) वर्तमान मूल्य पर 8,54,429 करोड़ रुपए और 2011-12 के स्थिर मूल्य पर 4,64,540 करोड़ रुपए अनुमानित है।
  - वित्तीय वर्ष 2023-24 में GSDP में 14.5% की वृद्धि (वर्तमान मूल्य पर) और 9.2% की वृद्धि (स्थिर मूल्य पर) दर्ज की गई।
  - प्रतिव्यक्ति आय वित्तीय वर्ष 2023-24 में स्थिर मूल्य पर 36,333 रुपए और वर्तमान मूल्य पर 66,828 रुपए हो गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में अधिक है।
  - बिहार में **पटना सबसे अमीर ज़िला** और **शिवहर सबसे गरीब** ज़िला है।
- **राजकोषीय घाटा**
  - राजकोषीय घाटा वित्तीय वर्ष 2022-23 में 44,823 करोड़ रुपए था, जो वित्तीय वर्ष 2023-24 में घटकर 35,660 करोड़ रुपए रह गया।
    - वित्तीय वर्ष 2024-25 में यह ₹29,095 करोड़ होने का अनुमान है।
  - **राजस्व बचत** वित्तीय वर्ष 2023-24 में 2,833 करोड़ रुपए रही जबकि वित्तीय वर्ष 2024-25 में 1,121 करोड़ रुपए रहने की उम्मीद है।
  - **राज्य का कुल व्यय** वित्तीय वर्ष 2023-24 में 2.52 लाख करोड़ रुपए था, जो वित्तीय वर्ष 2024-25 में बढ़कर 2.79 लाख करोड़ रुपए होने का अनुमान है।
  - **विकास मूलक व्यय** 1.69 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 1.77 लाख करोड़ रुपए होने का अनुमान है।
- **कृषि और औद्योगिक क्षेत्र**
  - चावल के उत्पादन में 21% और गेहूँ के उत्पादन में 10.7% की वृद्धि हुई।
  - पशु धन और मत्स्य में 9.50 प्रतिशत की दर से इजाफा हुआ है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- सात उत्पादों के लिये बिहार सरकार कृषि निवेश प्रोत्साहन नीति का क्रियान्वयन कर रही है। ये उत्पाद मखाना, फल, सब्जियाँ, मक्का, औषधीय पौधे, शहद और चाय हैं।
- बिहार के औद्योगिक सेक्टर में 75293.76 करोड़ के निवेश प्रस्तावित।
- बिहार के सकल राज्य घरेलू उत्पाद में सेवा क्षेत्र (तृतीयक क्षेत्र) का सबसे अधिक 58.6% योगदान रहा। इसके बाद, **उद्योग (द्वितीयक क्षेत्र)** का 21.5% और कृषि (प्राथमिक क्षेत्र) का 19.9% योगदान रहा है।
- सूक्ष्म उद्यमों में निवेश 135 प्रतिशत बढ़ा है जबकि रोज़गार 107 प्रतिशत बढ़ा है। बृहद इकाइयों में निवेश की रकम 131 प्रतिशत बढ़ा, जबकि रोज़गार 187 प्रतिशत।
- बिहार के खनन क्षेत्र में भी 9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

सड़क और बुनियादी ढाँचा

- वर्ष 2005-2025 के दौरान ग्रामीण पक्की सड़कें 835 किलोमीटर से बढ़कर 1.17 लाख किलोमीटर हो गई हैं।
- नए द्रुतमार्गों और **राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण से राज्य में यातायात व्यवस्था का विस्तार** हो रहा है।
- उत्तर प्रदेश (10.1 प्रतिशत) और कर्नाटक (7.7 प्रतिशत) के बाद बिहार ने 2011-24 के दौरान परिवहन और संचार क्षेत्र में तीसरी सबसे अधिक वृद्धि (7.6 प्रतिशत) दर्ज की।
- बिहार में रोड का घनत्व प्रति हज़ार किलोमीटर वर्ग किमी 3167 है। रोड घनत्व के मामले में बिहार तीसरे नंबर पर है।

डिजिटल प्रशासन और ऊर्जा क्षेत्र

- सरकार ने ई-प्रशासन को बढ़ावा देते हुए CCTNS, CFMS, साइबर सेल, ई-चालान जैसी तकनीकों को अपनाया।
- ऊर्जा की प्रति व्यक्ति खपत 134 किलोवाट-घंटे (2012-13) से बढ़कर 363 किलोवाट-घंटे (2023-24) हो गई।
- बिजली खपत में टॉप पाँच ज़िलों में क्रमशः पटना, गया, मुज़फ्फरपुर, रोहतास और नालंदा शामिल हैं
- जलापूर्ति विद्युत गैस कनेक्शन जैसे जन उपयोगी सेवाओं में 14.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

महिला सशक्तीकरण

- 1,063.5 हज़ार स्वयं सहायता समूह (SHG) गठित किये गए।
- 2,198.4 हज़ार SHG को ₹46.9 हज़ार करोड़ का संचित ऋण प्रदान कर महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा दिया गया।
- वित्तीय वर्ष 2024-25 तक कुल जमा राशि ₹5.27 लाख करोड़ थी, जिसमें से ₹2.97 लाख करोड़ ऋण के रूप में वितरित किया गया और ऋण-जमा अनुपात 56.3% रहा।
- वित्तीय वर्ष 2022-23 से 2023-24 तक महिला श्रमशक्ति सहभागिता दर में सुधार हुआ है। ग्रामीण महिलाओं में यह दर 24.8% से बढ़कर 33.5% हो गई और शहरी महिलाओं में यह 13.8% से बढ़कर 18% हो गई।
- बिहार में पुरुषों और महिलाओं का श्रमिक सहभागिता अनुपात पूरे भारत के औसत से कम है।

शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र

- विगत 18 वर्षों में शिक्षा पर खर्च 10 गुना, स्वास्थ्य पर 13 गुना और सामाजिक सेवाओं पर 13 गुना बढ़ा।
- बाल कल्याण बजट वर्ष 2013-14 से शुरू किया गया और 2016-23 के बीच इसमें 19.4% वार्षिक वृद्धि हुई।
- पाँच वर्षों में सरकारी माध्यमिक स्कूलों की **छीजन दर** में 62.25 % की गिरावट दर्ज।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन पर विशेष ध्यान**
  - हरित बजट और **जल-जीवन-हरियाली मिशन** जैसी योजनाओं को लागू कर राज्य में जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रयास किये गए हैं।
  - राज्य में 12 साल में वनाच्छादन में हुई 687 वर्ग किमी की बढ़ोतरी हुई है।

डॉ. राजेंद्र प्रसाद का 62वाँ निर्वाण दिवस

चर्चा में क्यों?

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने डॉ. राजेंद्र प्रसाद के 62वें निर्वाण दिवस पर उन्हें शत-शत नमन किया और उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्य बिंदु

- **डॉ. राजेंद्र प्रसाद के बारे में:**
  - डॉ. राजेंद्र प्रसाद का जन्म 3 दिसंबर, 1884 को बिहार के सिवान ज़िले के जीरादेई में हुआ था।
  - वह बिहार में **चंपारण सत्याग्रह (1917)** के दौरान **महात्मा गांधी** के साथ जुड़े थे।
  - डॉ. प्रसाद ने **1918 के रॉलेट एक्ट और 1919 के जलियाँवाला बाग हत्याकांड** पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की।
    - डॉ. प्रसाद ने **गांधीजी के असहयोग आंदोलन** के तहत बिहार में असहयोग का आह्वान किया।
  - उन्होंने वर्ष 1930 में बिहार में **नमक सत्याग्रह** में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसके कारण उन्हें कारावास भी हुआ।
  - वह आधिकारिक तौर पर वर्ष **1911 में कलकत्ता में आयोजित अपने वार्षिक सत्र के दौरान भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस** में शामिल हो गए।
    - वर्ष 1946 में वे **पंडित जवाहरलाल नेहरू** की अंतरिम सरकार में खाद्य और कृषि मंत्री के रूप में शामिल हुए तथा "अधिक अन्न उगाओ" का नारा दिया।
  - उन्होंने 26 जनवरी, 1950 से 13 मई, 1962 तक भारत के पहले राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया और वे सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले राष्ट्रपति रहे।
  - 26 जनवरी, 1950 को वे भारत के प्रथम राष्ट्रपति चुने गए। राष्ट्रपति के रूप में उन्होंने 12 वर्षों से अधिक समय तक सेवा की, जो उन्हें भारत के इतिहास में **सर्वाधिक समय तक कार्यरत** राष्ट्रपति के रूप में दर्शाता है।
  - डॉ. प्रसाद को वर्ष **1962 में भारत रत्न** से सम्मानित किया गया था। उन्होंने कई किताबें लिखीं, जिनमें **"सत्याग्रह एट चंपारण," "इंडिया डिवाइडेड" तथा उनकी "आत्मकथा" शामिल हैं।**
  - 28 फरवरी, 1963 को उनका निधन हो गया।

बिहार बजट 2025-26

चर्चा में क्यों?

3 मार्च 2025 को वित्तमंत्री द्वारा विधानसभा में 3.17 लाख करोड़ रुपए का बजट पेश किया गया। जिसमें शिक्षा और महिला सशक्तीकरण को प्राथमिकता दी गई गई।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

- वित्तीय वर्ष 2025-26 में कुल राजस्व व्यय 2 लाख 52 हज़ार करोड़ रुपए अनुमानित है, जो कुल व्यय का 79.52 प्रतिशत है।
- बिहार बजट 2025-26 में सबसे ज़्यादा **शिक्षा पर 60,964 करोड़ रुपए का प्रावधान** किया गया है।
- **स्वास्थ्य के लिये 20 हज़ार करोड़** रुपए और **सड़क मद में 17 हज़ार करोड़** रुपए का प्रावधान किया गया।
- बजट में **गृह विभाग को 17831 करोड़, ग्रामीण विकास को 16043 करोड़, ऊर्जा विभाग को 13484** करोड़ और समाज कल्याण विभाग, SC, ST, अल्पसंख्यक, पिछड़ा, अति पिछड़ा को 13 हज़ार करोड़ रुपए से ज़्यादा का प्रावधान किया गया है।

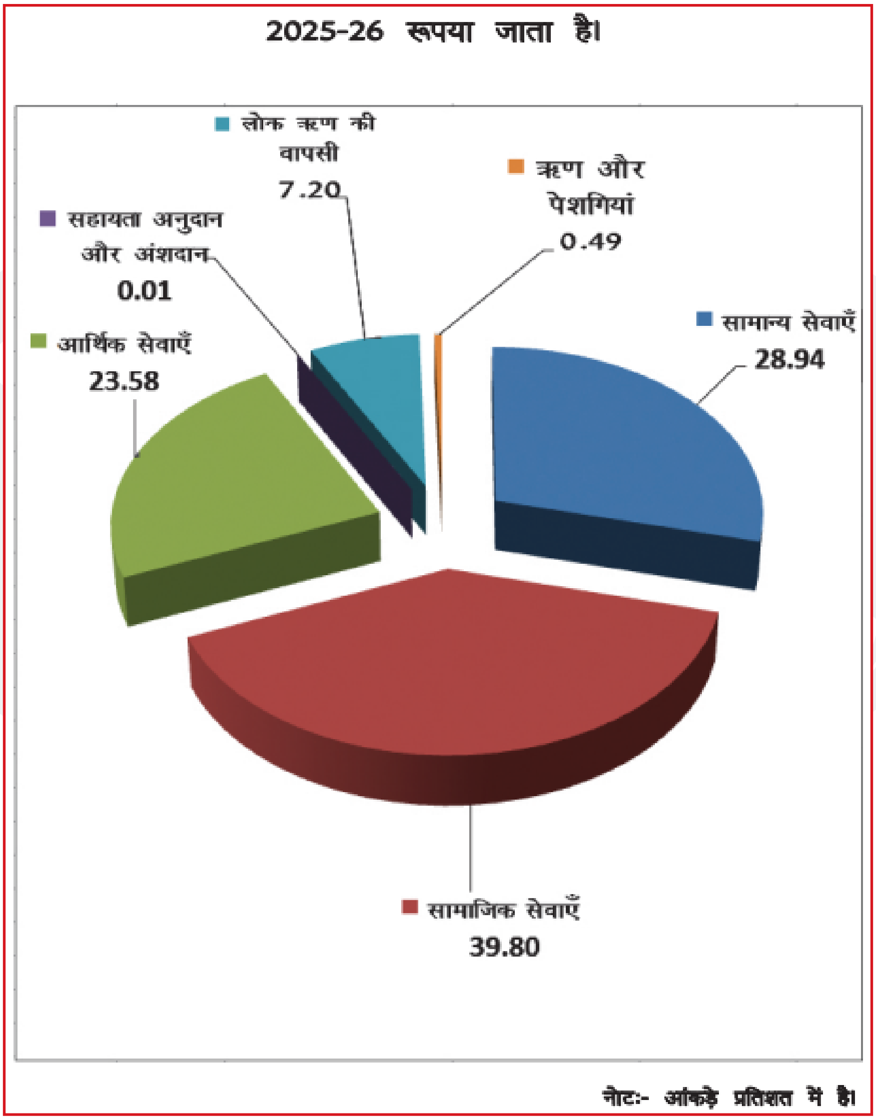

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

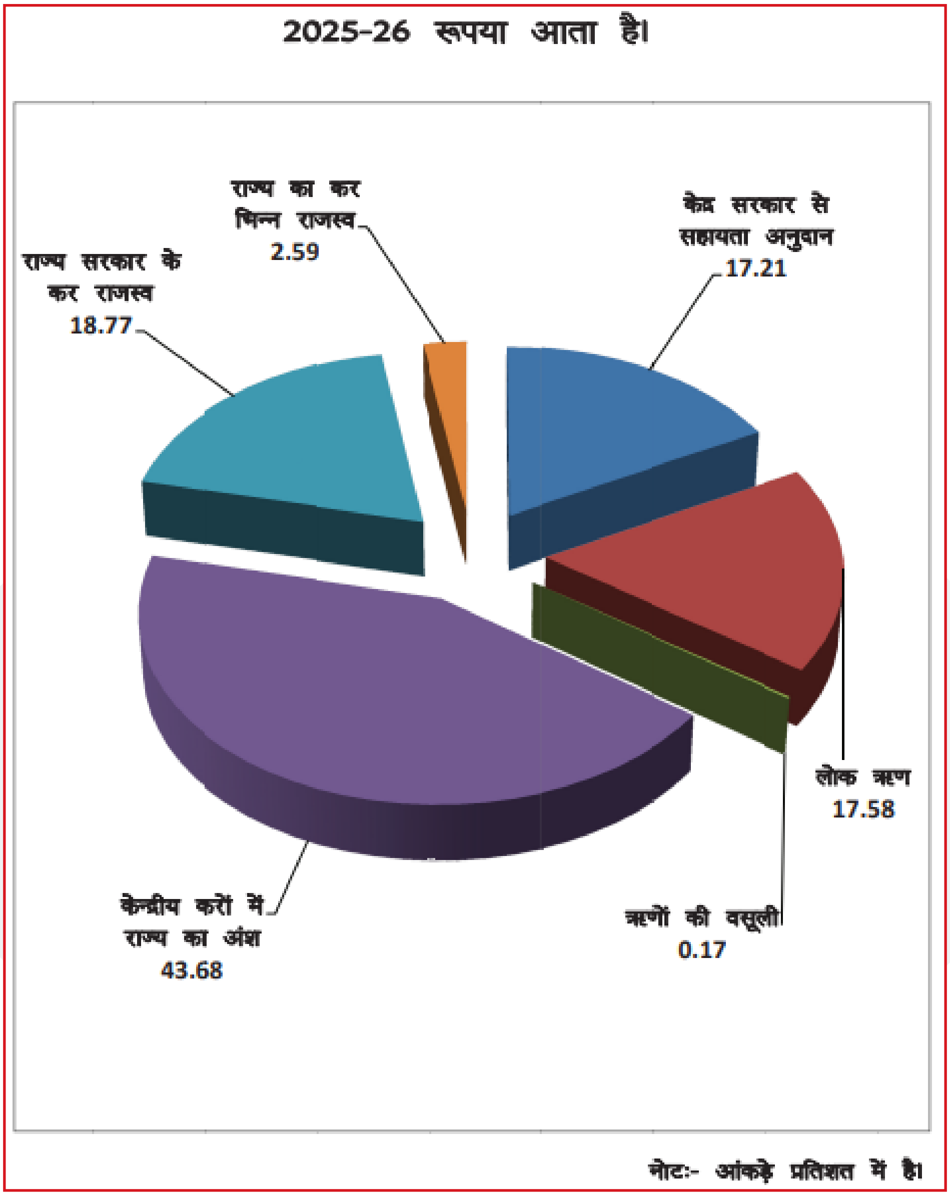

- बजट के मुख्य प्रावधान
  - **महिला सशक्तीकरण पर विशेष ध्यान**
    - **पिंक शौचालयों** का निर्माण।
    - **पटना में महिला हाट** खोले जाएंगे।
    - **पिंक बस सेवा** शुरू होगी (सभी चालक एवं परिचालक महिलाएँ होंगी)।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **कामकाज़ी महिलाओं के लिये छात्रावास** बनाए जाएंगे।
- **महिला टूरिस्ट गाइड** की नियुक्ति।
- ई-रिक्शा खरीदने के लिये वित्तीय सहायता।
- महिला पुलिसकर्मियों की संख्या में वृद्धि।
- गरीब लड़कियों की शादी के लिये '**कन्या विवाह मंडप**' का निर्माण।

◆ **शिक्षा और सामाजिक कल्याण**
- छात्रवृत्ति (स्कॉलरशिप) की दर दोगुनी की जाएगी।
- SC/ST, पिछड़े वर्गों के लिये प्रोत्साहन राशि बढ़ाई जाएगी।

◆ **स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाएँ**
- **बेगूसराय में कैंसर अस्पताल** का निर्माण।
- **बिहार में 108 नए नगर चिकित्सा केंद्र** खुलेंगे।
- **कैंसर रोगियों के लिये विशेष देखभाल केंद्र** का प्रावधान।

◆ **इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं परिवहन**
- **पूर्णिया एयरपोर्ट** का निर्माण जल्द शुरू होगा।
- राजगीर, सुल्तानगंज, रक्सौल, मधुबनी सहित 8 नए एयरपोर्ट बनाए जाएंगे।
- बिहार राज्य सड़क परिवहन निगम में महिलाओं के लिये 33% आरक्षण।

◆ **पर्यावरण और स्वच्छ ऊर्जा**
- वायु गुणवत्ता सुधार के लिये ₹1 करोड़ का निवेश।
- नहरों के किनारे ₹25 करोड़ की लागत से सौर संयंत्र स्थापित किये जाएंगे।

◆ **कृषि एवं ग्रामीण विकास**
- **बाज़ार समितियों** को सशक्त किया जाएगा।
- प्रखंड स्तर पर सब्ज़ी बेचने के स्टॉल खोले जाएंगे।
- सभी प्रखंडों में तरकारी उत्पादन समिति का गठन।

◆ **प्रवासी बिहारी और पर्यटन**
- प्रवासी बिहारियों के लिये विभिन्न शहरों में हेल्प सेंटर।
- छठ पूजा के लिये होम-स्टे सुविधा को सरकारी सहायता।

◆ **उद्योग एवं व्यापार**
- कम्प्रेस्ड बायोगैस प्लांट लगाने वाली कंपनियों को बढ़ावा।
- दवा उत्पादन कंपनियों के लिये नई प्रोत्साहन नीति।

प्रधानमंत्री आवास योजना- ग्रामीण

चर्चा में क्यों?

हाल ही में बिहार के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत तीन लाख परिवारों के लिये प्रथम किस्त के रूप में 1,200 करोड़ रुपए की सहायता राशि ट्रांसफर की।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

- इन लाभार्थियों को अगले सौ दिनों में दूसरी एवं तीसरी किस्त के रूप में और 80 हज़ार रुपए दिये जाएंगे।
- इसके अलावा, मनरेगा के माध्यम से 90 दिनों के अकुशल मज़दूरी के रूप में 22,050 और **लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान** से शौचालय निर्माण के लिये 12 हज़ार रुपए की सहायता दी जाएगी।

प्रधानमंत्री आवास योजना क्या है ?

प्रधानमंत्री आवास योजना- ग्रामीण (PMAY-G):

- **शुभारंभ: वर्ष 2022 तक "सभी के लिये आवास"** के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिये, पूर्ववर्ती ग्रामीण आवास योजना इंदिरा आवास योजना (IAY) को 1 अप्रैल 2016 से केंद्र प्रायोजित योजना के रूप में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (PMAY-G) में पुनर्गठित किया गया।
- **शामिल मंत्रालय:** ग्रामीण विकास मंत्रालय।
- **स्थिति:** राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों ने **लाभार्थियों को 2.85 करोड़ घर स्वीकृत किये हैं** और मार्च 2023 तक 2.22 करोड़ घर पूरे हो चुके हैं।
- **उद्देश्य:** मार्च 2022 के अंत तक सभी ग्रामीण परिवारों, जो बेघर हैं या कच्चे या जीर्ण-शीर्ण घरों में रह रहे हैं, को बुनियादी सुविधाओं के साथ पक्का घर उपलब्ध कराना।
  - गरीबी रेखा से नीचे (Below Poverty Line- BPL) जीवन यापन करने वाले ग्रामीण लोगों को आवास इकाइयों के निर्माण तथा मौजूदा अनुपयोगी कच्चे मकानों के उन्नयन में पूर्ण अनुदान के रूप में सहायता प्रदान करना।
- **लाभार्थी:** अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, मुक्त बंधुआ मज़दूर और गैर-अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोग, युद्ध में मारे गए रक्षा कर्मियों की विधवाएँ या उनके निकट संबंधी, पूर्व सैनिक और अर्धसैनिक बलों के सेवानिवृत्त सदस्य, विकलांग व्यक्ति तथा अल्पसंख्यक।
- **लाभार्थियों का चयन:** तीन-चरणीय सत्यापन जैसे सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना 2011, ग्राम सभा और जियो-टैगिंग के माध्यम से।
- **लागत साझाकरण:** मैदानी क्षेत्रों के मामले में केंद्र और राज्य 60:40 के अनुपात में व्यय साझा करते हैं तथा **पूर्वोत्तर राज्यों,** दो हिमालयी राज्यों एवं जम्मू-कश्मीर संघ राज्य क्षेत्र के मामले में **90:10 के अनुपात** में व्यय साझा करते हैं।
  - **केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख सहित अन्य केंद्रशासित प्रदेशों के मामले में केंद्र 100% लागत** वहन करता है।

वाल्मीकि महोत्सव-2025

चर्चा में क्यों ?

8 मार्च 2025 को बिहार के मुख्यमंत्री ने **वाल्मीकि महोत्सव-2025** का शुभारंभ किया।

मुख्य बिंदु

- **महोत्सव के बारे में:**
  - वाल्मीकि महोत्सव महर्षि वाल्मीकि के योगदान को सम्मान देने के साथ-साथ बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और बढ़ावा देने का एक प्रभावी मंच है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **स्थल :** यह महोत्सव **पश्चिम चंपारण ज़िले के वाल्मीकिनगर** में वाल्मीकि टाइगर रिज़र्व के बीच स्थित नदी घाटी परियोजना विद्यालय प्रांगण में आयोजित किया गया।
- कार्यक्रम का शुभाराम्भ '**बिहार गीत**' की प्रस्तुति से हुआ। इसके पश्चात **महर्षि वाल्मीकि** पर आधारित एक लघु फिल्म प्रदर्शित की गई, जिसमें इस पावन स्थल के महत्त्व को दर्शाया गया।
- कार्यक्रम में बिहार के मुख्यमंत्री और कला संस्कृति मंत्री सहित कई महत्त्वपूर्ण अतिथि मौजूद रहे।

महर्षि वाल्मीकि

- महर्षि वाल्मीकि **संस्कृत साहित्य** के आदि कवि माने जाते हैं और उन्हें महाकाव्य "**रामायण**" के रचयिता के रूप में जाना जाता है।
- वे एक महान ऋषि, तपस्वी और दार्शनिक थे। उनके जीवन का उल्लेख विभिन्न ग्रंथों में मिलता है, जिनके अनुसार वे पहले एक डाकू थे, किंतु ऋषि नारद की प्रेरणा से उन्होंने तपस्या की और एक महान संत बने।
- उनकी तपस्या के दौरान उनके चारों ओर '**वाल्मीक**' (चींटियों का टीला) बन गया, जिसके कारण उनका नाम '**वाल्मीकि**' पड़ा।
- महर्षि वाल्मीकि का जन्म **आश्विन मास की पूर्णिमा** को हुआ था, जिसे हिंदू पंचांग में **वाल्मीकि जयंती** के रूप में मनाया जाता है।

वाल्मिकी टाइगर रिज़र्व (VTR)

- **VTR बिहार का एकमात्र बाघ अभयारण्य/टाइगर रिज़र्व** है, जो भारत में **हिमालय के तराई वनों** की सबसे पूर्वी सीमा का निर्माण करता है।
  - **VTR बिहार के पश्चिम चंपारण ज़िले** में स्थित है जो **उत्तर में नेपाल** तथा **पश्चिम में उत्तर प्रदेश** के साथ सीमा साझा करता है।
- **गंगा के मैदानी जैव-भौगोलिक क्षेत्र** में स्थित इस टाइगर रिज़र्व की वनस्पति **भाबर** तथा **तराई क्षेत्रों** का संयोजन है।
  - भारतीय वन सर्वेक्षण रिपोर्ट 2021 के अनुसार, इसके कुल क्षेत्रफल का **85.71%** भाग वनाच्छादित है।
  - **वाल्मिकी टाइगर रिज़र्व** के वनों में पाए जाने वाले वन्य स्तनधारियों में **बाघ, स्लॉथ भालू, तेंदुआ, जंगली कुत्ता, बाइसन, जंगली सूअर** आदि शामिल हैं।
  - **गंडक, पंडई, मनोर**, हरहा, मसान तथा भपसा नदियाँ इस अभयारण्य के विभिन्न हिस्सों से प्रवाहित होती हैं।

शौर्य वेदनाम उत्सव

चर्चा में क्यों?

7 और 8 मार्च 2025 को बिहार के पूर्वी चंपारण ज़िले के मोतिहारी में **प्रथम शौर्य वेदनाम उत्सव** का आयोजन किया गया।

मुख्य बिंदु

- **उत्सव के बारे में:**
  - **उद्देश्य**
    - इस उत्सव का उद्देश्य **भारतीय सशस्त्र बलों की सैन्य शक्ति का प्रदर्शन** करना और **युवाओं व आम नागरिकों को रक्षा बलों के प्रति जागरूक और प्रेरित करना** था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- आयोजन और प्रमुख अतिथि
  - यह उत्सव **रक्षा मंत्रालय और पूर्वी चंपारण ज़िला प्रशासन** के सहयोग से आयोजित किया गया।
  - उत्सव का उद्घाटन **बिहार के** राज्यपाल **आरिफ मोहम्मद खान** ने किया और प्रमुख अतिथियों में **राधा मोहन सिंह (रक्षा संबंधी संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष)** लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेनगुप्ता तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।
- **सैन्य प्रदर्शन और आकर्षण**
  - इस आयोजन में **सेना, नौसेना और वायु सेना** की आधुनिक सैन्य तकनीकों और उपकरणों का प्रदर्शन किया गया, जिनमें शामिल थे:
  - भारतीय सेना ने के-9 वज्र तोप, **टी-90 भीष्म टैंक, स्वाति रडार और BMP लड़ाकू वाहन** जैसे उन्नत उपकरणों का प्रदर्शन किया।
  - नौसेना ने पनडुब्बियों, **विध्वंसक जहाजों और विमान वाहकों** के मॉडल प्रदर्शित किये, जिससे नौसैनिक शक्ति का व्यापक परिचय मिला।
  - भारतीय वायु सेना ने **फ्लाईपास्ट और** लड़ाकू विमानों **तथा हेलीकॉप्टरों के प्रदर्शन** के माध्यम से अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया।

मोतिहारी के बारे में:

- मोतिहारी बिहार के पूर्वी चंपारण ज़िले का एक महत्त्वपूर्ण ऐतिहासिक नगर है।
- यह नेपाल सीमा पर स्थित, पूर्वी चंपारण ज़िले का मुख्यालय है।
- किंवदंती के अनुसार, मोतिहारी का नाम दो व्यक्तियों **मोती सिंह और हरि सिंह** के नाम पर पड़ा।
- यह प्रसिद्ध लेखक **जॉर्ज ऑरवेल** का जन्मस्थान है और **महात्मा गांधी के** चंपारण सत्याग्रह का प्रमुख केंद्र रहा है।
- **दर्शनीय स्थल**
  - केसरिया बौद्ध स्तूप: केसरिया में स्थित यह दुनिया के सबसे ऊँचे **बौद्ध स्तूपों** में से है।
  - अशोक स्तंभ: लौरिया गाँव में स्थित यह 36½ फीट ऊँचा स्तंभ सम्राट अशोक द्वारा 249 ई० पूर्व में स्थापित करवाया गया था। इसे "**स्तंभ धर्म लेख**" के नाम से भी जाना जाता है।

बिहार मंत्रिमंडल में बदलाव

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में बिहार के मुख्यमंत्री ने मंत्रिमंडल में बदलाव करते हुए नए सात मंत्रियों को विभाग आवंटित किये। इसके साथ ही पहले के कई मंत्रियों की ज़िम्मेदारी भी बदली गई है।

मुख्य बिंदु

- यह बदलाव 28 फरवरी 2025 को बजट सत्र के एक दिन पहले किया गया। जो मंत्री एक से अधिक विभाग संभाल रहे थे, अब उनके कुछ विभागों को नए मंत्रियों के बीच बाँटा गया है।
- नए मंत्रियों को आवंटित विभाग:
  - **संजय सरावगी** – राजस्व एवं भूमि
  - **सुनील कुमार** – वन एवं पर्यावरण

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **विजय मंडल** – आपदा प्रबंधन
- **कृष्ण कुमार मंटू** – सूचना प्रावैधिकी (आईटी)
- **मोतीलाल प्रसाद** – कला एवं संस्कृति
- **राजू कुमार सिंह** – पर्यटन
- **जीवेश मिश्ा** – शहरी विकास

वभिागों में फेरबदल:

- **विजय सिन्हा** से **सड़क निर्माण विभाग** लेकर **नितिन नवीन** को दिया गया।
- **मंगल पांडे** से **कृषि विभाग** लेकर **विजय सिन्हा** को दिया गया।
- **नितिन नवीन** से **कानून विभाग** लेकर **मंगल पांडे** को दिया गया।
- **विजय सिन्हा** से कला एवं संस्कृति **विभाग** लेकर **मोतीलाल प्रसाद** को दिया गया।
- **नितिन नवीन** से **शहरी विकास विभाग** लेकर **जीवेश मिश्रा** को दिया गया।
- **संतोष सुमन** से **सूचना प्रावैधिकी विभाग** लेकर **कृष्ण कुमार मंटू** को दिया गया।
  - अब **संतोष सुमन** के पास केवल **लघु जल संसाधन विभाग** बचा है।

मंत्रिपरिषद

- **परिचय :**
  - **संविधान के अनुच्छेद 74 में मंत्रिपरिषद** के गठन के बारे में उल्लेख किया गया है जबकि **अनुच्छेद 75** मंत्रियों की नियुक्ति, उनके कार्यकाल, जिम्मेदारी, शपथ, योग्यता और मंत्रियों के वेतन एवं भत्ते से संबंधित है।
  - मंत्रिपरिषद में मंत्रियों की तीन श्रेणियाँ होती हैं, अर्थात् **कैबिनेट मंत्री, राज्य मंत्री और उप मंत्री। इन सभी मंत्रियों में शीर्ष स्थान पर प्रधानमंत्री** होता है।
    - **कैबिनेट मंत्री:** ये केंद्र सरकार के महत्त्वपूर्ण मंत्रालयों जैसे-गृह, रक्षा, वित्त, विदेश मामलों आदि के प्रमुख होते हैं।
      - कैबिनेट केंद्र सरकार के महत्त्वपूर्ण मामलों में नीति निर्धारण निकाय है।
  - **राज्य मंत्री:** इन्हें या तो मंत्रालयों/विभागों का स्वतंत्र प्रभार दिया जा सकता है या कैबिनेट मंत्रियों से संबद्ध किया जा सकता है।
  - **उप मंत्री:** ये कैबिनेट मंत्रियों या राज्य मंत्रियों से संबंधित होते हैं तथा उनके प्रशासनिक, राजनीतिक और संसदीय कर्तव्यों में उनकी सहायता करते हैं।
- **राज्यों में मंत्रिपरिषद:**
- अनुच्छेद 163 केंद्र में मंत्रिपरिषद के समान राज्यों में मंत्रिपरिषद के गठन और कार्यों का प्रावधान करता है (**अनुच्छेद 163:** राज्यपाल की सहायता और उसे सलाह देने के लिये COM) और **अनुच्छेद 164:** मंत्रियों के रूप में अन्य प्रावधान)।

बाल विवाह उन्मूलन हेतु टास्क फोर्स

चर्चा में क्यों?

बिहार सरकार ने राज्य में बाल विवाह को रोकने और उन्मूलन के लिये मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक राज्य स्तरीय **'टास्क फोर्स'** गठित करने का निर्णय लिया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **टास्क फोर्स का उद्देश्य एवं कार्य**
  - बाल विवाह की रोकथाम हेतु पुलिस और अन्य एजेंसियों को प्रभावी रूप से निर्देशित करना।
  - बाल विवाह निषेध अधिनियम (PCMA) से जुड़े मामलों का कठोरता से निपटारा सुनिश्चित करना।
  - बाल विवाह निषेध अधिकारियों (CMPO) और विशेष किशोर पुलिस इकाई (SJPU) के बीच समन्वय बढ़ाना।
  - प्रत्येक ज़िले और उप-विभाग स्तर पर बाल विवाह संरक्षण अधिकारियों की नियुक्ति।
- **राज्य में बाल विवाह की स्थिति**
  - राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS)-5 के अनुसार, बिहार देश में बाल विवाह की दर के मामले में पश्चिम बंगाल के बाद **दूसरे स्थान पर आता है।**
  - रिपोर्ट के अनुसार **राज्य में 40.8 प्रतिशत महिलाओं की शादी 18 साल की उम्र से पहले हो जाती है।**
- **बाल विवाह उन्मूलन हेतु अन्य प्रयास**
  - बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत स्कूलों में छात्राओं के साथ संवादात्मक बैठकें।
  - मुखबिर प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत सत्यापित सूचना देने पर ₹5000 तक का नकद इनाम।
  - **ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता शिविर** का आयोजन ताकि समुदाय को बाल विवाह के दुष्प्रभावों की जानकारी दी जा सके।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान

- जनवरी 2015 में इसे लिंग आधारित गर्भपात और घटते बाल लिंग अनुपात को संबोधित करने के उद्देश्य से शुरू किया गया था, **जो 2011 में प्रत्येक 1,000 लड़कों पर 918 लड़कियों पर था।**
- यह महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और मानव संसाधन विकास मंत्रालय** की एक संयुक्त पहल है।
- यह कार्यक्रम देश के 405 जिलों में लागू है।

बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006

परिचय

- बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम (Prohibition of Child Marriage Act), 2006 भारत सरकार का एक अधिनियम है, जिसे समाज में बाल विवाह को रोकने हेतु लागू किया गया है।
- **अधिनियम के मुख्य प्रावधान**
- इस अधिनियम के अंतर्गत 21 वर्ष से कम आयु के पुरुष या 18 वर्ष से कम आयु की महिला के विवाह को बाल विवाह की श्रेणी में रखा जाएगा।
- इस अधिनियम के अंतर्गत बाल विवाह को **दंडनीय अपराध माना गया है।**
- साथ ही बाल विवाह करने वाले वयस्क पुरुष या बाल विवाह को संपन्न कराने वालों को इस अधिनियम के तहत **दो वर्ष के कठोर कारावास या 1 लाख रूपए का जुर्माना या दोनों सज़ा से दंडित किया जा सकता** है किंतु किसी महिला को कारावास से दंडित नहीं किया जाएगा।
- इस अधिनियम के अंतर्गत किये गए अपराध संज्ञेय और गैर ज़मानती होंगे।
- इस अधिनियम के अंतर्गत अवयस्क बालक के विवाह को अमान्य करने का भी प्रावधान **है**।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

बिहार को मिला डिजिटेक अवाड्र्स 2025

चर्चा में क्यों ?

18 मार्च, 2025 को **नई दिल्ली** में आयोजित **गवर्नमेंट डिजिटेक अवाड्र्स** समारोह में **बिहार** को **'बिहार कृषि' ऐप** और **स्मार्ट प्रीपेड मीटर** के सफल क्रियान्वयन के लिये **स्वर्ण पुरस्कार** प्रदान किया गया।

मुख्य बिंदु

- **स्मार्ट प्रीपेड मीटरिंग:**
  - यह पुरस्कार **बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड (BSPHCL)** को **स्मार्ट प्रीपेड मीटरिंग** के प्रभावी क्रियान्वयन के लिये दिया गया।
  - राज्य की पहल **'बिहार- प्राउड टॉर्च बियरर ऑफ यूनिवर्सल स्मार्ट प्रीपेड मीटरिंग फॉर द नेशन'** को **डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन लीडर इन पब्लिक सेक्टर** श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया।
    - **स्मार्ट प्रीपेड मीटरिंग** एक आधुनिक ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली है। यह पारंपरिक मीटरिंग की तुलना में अधिक **पारदर्शी, कुशल और उपभोक्ता हितैषी** है।
    - इसका उद्देश्य **उपभोक्ताओं को सशक्त बनाना, बिलिंग प्रक्रिया में पारदर्शिता लाना, ऊर्जा की बचत** और **राजस्व वसूली में सुधार** करना है।
- **'बिहार कृषि' ऐप:**
  - **बिहार के कृषि विभाग** को इस ऐप के सफल कार्यान्वयन हेतु **स्वर्ण पुरस्कार** से सम्मानित किया गया।
    - **'बिहार कृषि' एप** बिहार **कृषि विभाग** द्वारा विकसित एक **एकल डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म** है, जो किसानों को **कृषि योजनाओं, फसल मूल्य, मौसम, शिकायत निवारण,** मृदा स्वास्थ्य कार्ड, **सरकारी घोषणाओं और कृषि संबंधित संपर्क जानकारी** उपलब्ध कराता है।
- **गवर्नमेंट डिजिटेक अवाड्र्स**
  - **ET गवर्नमेंट डिजिटेक अवाड्र्स** को **केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय** का समर्थन प्राप्त है।
  - ये पुरस्कार उन अग्रदूतों को प्रदान किये जाते हैं, जिन्होंने **सार्वजनिक सेवाओं में डिजिटल परिवर्तन** को दिशा देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
  - इस समारोह में **पूरे भारत से 30 विजेताओं** को सम्मानित किया गया। विभिन्न श्रेणियों में **गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा, केरल, त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल और हरियाणा** सहित कई राज्यों को भी पुरस्कार प्रदान किये गये।

बिहार के लिये विशेष श्रेणी का दर्जा

चर्चा में क्यों ?

बिहार के **मुख्यमंत्री** ने 16वें वित्त आयोग के समक्ष राज्य को **विशेष श्रेणी का दर्ज़ा** (SCS) दिये जाने की लंबे समय से चली आ रही मांग को दोहराया, जिससे राज्य को केंद्र से मिलने वाले **कर राजस्व** में वृद्धि होगी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **विशेष श्रेणी का दर्जा:**
  - **ऐतिहासिक एवं संरचनात्मक चुनौतियाँ:** बिहार को महत्त्वपूर्ण **आर्थिक चुनौतियों का सामना** करना पड़ रहा है, जिनमें **औद्योगिक विकास का अभाव एवं सीमित निवेश के अवसर** शामिल हैं।
    - राज्य के विभाजन के परिणामस्वरूप अधिकांश **उद्योग झारखंड में स्थानांतरित** हो गए, जिससे बिहार में **रोज़गार एवं आर्थिक विकास** की समस्याओं में वृद्धि हुई है।
  - **प्राकृतिक आपदाएँ:** राज्य उत्तरी क्षेत्र में बाढ़ तथा दक्षिणी भाग में गंभीर सूखे जैसी **प्राकृतिक आपदाओं** का सामना कर रहा है।
    - इन आपदाओं की पुनरावृत्ति से **कृषि गतिविधियाँ** बाधित होती हैं, **विशेषकर सिंचाई सुविधाओं के मामले में** और साथ जल आपूर्ति भी अपर्याप्त रहती है जिससे **आजीविका एवं आर्थिक स्थिरता प्रभावित** होती है।
  - **बुनियादी ढाँचे का अभाव:** बिहार का **अपर्याप्त बुनियादी ढाँचा** राज्य के समग्र **विकास में बाधा उत्पन्न** करता है, जिसमें अव्यवस्थित **सड़क नेटवर्क, सीमित स्वास्थ्य सेवा पहुँच एवं शैक्षणिक सुविधाओं का अभाव** आदि चुनौतियाँ शामिल हैं।
    - वर्ष 2013 में केंद्र द्वारा गठित **रघुराम राजन समिति** ने बिहार को "अल्प विकसित श्रेणी" में रखा।
  - निर्धनता तथा सामाजिक विकास: बिहार में **निर्धनता दर** उच्च है तथा यहाँ बड़ी संख्या में परिवार गरीबी रेखा से नीचे रहते हैं।
    - नीति आयोग के एक सर्वेक्षण के अनुसार बिहार, निर्धन राज्यों की श्रेणी में शीर्ष स्थान पर है, जहाँ वर्ष 2022-23 में **बहुआयामी निर्धनता 26.59% थी**, जो राष्ट्रीय औसत 11.28% की तुलना में अत्यधिक है।
    - बिहार की प्रतिव्यक्ति **GDP** वर्ष 2022-23 के लिये राष्ट्रीय औसत 1,69,496 रुपए की तुलना में मात्र 60,000 रुपए है।

विशेष श्रेणी का दर्ज़ा

- **परिचय:**
  - विशेष श्रेणी का दर्ज़ा (SCS) केंद्र द्वारा भौगोलिक और **सामाजिक-आर्थिक रूप से पिछड़े** राज्यों के विकास में सहायता के लिये प्रदान किया जाने वाला एक वर्गीकरण है।
  - **संविधान** SCS के लिये **प्रावधान नहीं करता है** और यह वर्गीकरण बाद में 1969 में **पाँचवें वित्त आयोग** की सिफारिशों के आधार पर किया गया था।
  - **प्रथमत:** वर्ष 1969 में **जम्मू-कश्मीर, असम और नगालैंड** को यह दर्ज़ा प्रदान किया गया था। **तेलंगाना** भारत का नवीनतम राज्य है जिसे यह दर्ज़ा प्राप्त हुआ है।
  - **SCS, विशेष स्थिति से भिन्न है** जो कि उन्नत विधायी तथा राजनीतिक अधिकार प्रदान करता है, जबकि SCS **केवल आर्थिक** एवं वित्तीय पहलुओं से संबंधित है।
    - उदाहरण के लिये **अनुच्छेद 370** के निरस्त होने से पहले जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्ज़ा प्राप्त था।
- **दर्ज़ा प्राप्त करने के मापदंड (गाडगिल सिफारिश पर आधारित):**
  - पहाड़ी इलाका
  - कम जनसंख्या घनत्व और/या **जनजातीय जनसंख्या का बड़ा हिस्सा**
  - पड़ोसी देशों के साथ **सीमाओं पर सामरिक स्थिति**
  - आर्थिक तथा **आधारभूत संरचना में पिछड़ापन**
  - **राज्य के वित्त की अव्यवहार्य प्रकृति**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **लाभ:**
  - **अन्य राज्यों के मामले में 60% या 75%** की तुलना में **केंद्र प्रायोजित योजना** में **आवश्यक निधि का 90%** विशेष श्रेणी के राज्यों को भुगतान किया जाता है, जबकि शेष निधि राज्य सरकारों द्वारा प्रदान की जाती है।
  - वित्तीय वर्ष में **अव्ययित निधि व्यपगत नहीं होती** है और इसे आगे बढ़ाया जाता है।
  - इन राज्यों को उत्पाद शुल्क और सीमा शुल्क, आयकर एवं निगम कर में महत्त्वपूर्ण रियायतें प्रदान की जाती हैं।
  - केंद्र के सकल बजट का 30% विशेष श्रेणी के राज्यों को प्रदान किया जाता है।

बिहार दिवस

चर्चा में क्यों ?

प्रत्येक वर्ष **22 मार्च** को मनाये जाने वाले **बिहार दिवस** के अवसर पर **पटना के गांधी मैदान** में **22 से 24 मार्च, 2025** तक **तीन दिवसीय समारोह** का आयोजन किया गया।

मुख्य बिंदु

- **समारोह के बारे में:**
  - इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य **बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, इतिहास और विकास को सम्मान देना** है।
  - इस वर्ष **113वें स्थापना दिवस** का आयोजन किया गया, जिसकी थीम **'उन्नत बिहार, विकसित बिहार'** रखी गई।
  - समारोह में विभिन्न विभागों द्वारा **विकास कार्यों से संबंधित प्रदर्शनी** लगाई गई, जिसमें **शिक्षा विभाग, ग्रामीण विकास, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, आपदा प्रबंधन आदि** शामिल थे।
  - मुख्यमंत्री ने **'डिजास्टर रिस्क रिडक्शन रोडमैप ऑफ बिहार'** और **'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम'** पुस्तिकाओं का विमोचन किया।
- **बिहार दिवस का इतिहास:**
  - 22 मार्च, 1912 को अंग्रेज़ों ने बंगाल से पृथक् एक नए प्रांत 'बिहार' का गठन किया था।
    - वर्ष 1905 में लागू किये गए बंगाल विभाजन के विरुद्ध चलाए गए स्वदेशी आंदोलन के परिणामस्वरूप बंगाल विभाजन को रद्द करने के साथ ही बिहार एवं असम का गठन किया गया।
  - वर्ष 2000 में बिहार से पृथक् एक नए राज्य 'झारखंड' की स्थापना की गई।
  - वर्ष 2011 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इसे एक व्यापक उत्सव के रूप में स्थापित किया, जिसमें विभिन्न कार्यक्रमों और आयोजनों को शामिल किया गया। इस दिन बिहार में सार्वजनिक अवकाश होता है।
  - भारत के अलावा, यह दिवस **संयुक्त राज्य अमेरिका, जर्मनी, ब्रिटेन (स्कॉटलैंड), ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, बहरीन, कतर, संयुक्त अरब अमीरात, त्रिनिदाद और टोबैगो तथा मॉरीशस** जैसे देशों में भी मनाया जाता है।

बिहार राज्य के बारे में:

- **परिचय:**
  - **बिहार** नाम की उत्पत्ति बौद्ध मठों (विहारों) की अधिकता के कारण हुई मानी जाती है, क्योंकि यह क्षेत्र प्राचीन समय में बौद्ध धर्म का प्रमुख केंद्र रहा है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **राज्य की राजधानी पटना** है, जिसे प्राचीन समय में **पाटलिपुत्र, पुष्पपुर और कुसुमपुर** के नाम से भी जाना जाता था।

- **भौगोलिक स्थिति**
  - बिहार **24°20'10" से 27°31'15" उत्तरी अक्षांश** तथा **83°19'50" से 88°17'40" पूर्वी देशांतर** के मध्य स्थित है।
  - राज्य का कुल क्षेत्रफल **94,163 वर्ग किमी.** है, जो इसे **देश के 13वें सबसे बड़े राज्य** के रूप में स्थापित करता है।
  - राज्य का **कुल भौगोलिक क्षेत्रफल भारत के 2.86% हिस्से** को कवर करता है
  - राज्य की **उत्तर से दक्षिण लंबाई 345 किमी.** तथा **पूर्व से पश्चिम लंबाई 483 किमी.** है।
  - क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे **बड़ा ज़िला पश्चिमी चंपारण** और **सबसे छोटा ज़िला शिवहर** है।
- **सीमाएँ**
  - बिहार की सीमा **3 राज्यों** (पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, झारखंड) तथा **नेपाल** से लगी हुई है।
  - बिहार के **नेपाल से 7 ज़िले** (पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, अररिया और किशनगंज) लगते हैं।
  - **उत्तर प्रदेश से लगे 8 ज़िले** (रोहतास, कैमूर, बक्सर, भोजपुर, सारण, सीवान, गोपालगंज और पश्चिमी चंपारण) लगते हैं।
  - **पश्चिम बंगाल से 3 ज़िले** (किशनगंज, पूर्णिया और कटिहार), जबकि **झारखंड से 8 ज़िले** (भागलपुर, बाँका, जमुई, नवादा, गया, औरंगाबाद, रोहतास और कटिहार) जुड़े हुए हैं।
  - **सबसे उत्तरी ज़िला पश्चिमी चंपारण, सबसे दक्षिणी ज़िला गया, सबसे पश्चिमी ज़िला कैमूर** और **सबसे पूर्वी ज़िला किशनगंज** है।

विक्रमशिला विश्वविद्यालय

चर्चा में क्यों?

राजगीर में नालंदा विश्वविद्यालय के पुनर्जीवित होने के एक दशक बाद, बिहार में एक और प्राचीन शिक्षा केंद्र 'विक्रमशिला विश्वविद्यालय' को पुनर्जीवित करने की प्रक्रिया तेज़ हो गई है।

- भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI) **पर्यटन को बढ़ावा देने** और **संरक्षण** के उद्देश्य से इस प्राचीन स्थल को विकसित कर रहा है।

मुख्य बिंदु

- **केंद्र सरकार का वित्तीय सहयोग**
  - वर्ष 2015 में **500 करोड़ रुपए** की स्वीकृति के बावजूद, भूमि पहचान की समस्या के कारण परियोजना में **विलंब** हुआ।
  - अब **बिहार सरकार** ने **भागलपुर ज़िले के अंतीचक गाँव** में **202.14 एकड़ भूमि** इस परियोजना के लिये चिह्नित की है।
- **विक्रमशिला विश्वविद्यालय:**
  - **अवस्थिति:**
    - विक्रमशिला विश्वविद्यालय **बिहार के भागलपुर ज़िले में** गंगा नदी **के तट पर** स्थित था।
  - **स्थापना:**
    - इस विश्वविद्यालय की स्थापना पाल वंश **के राजा धर्मपाल** ने **8वीं शताब्दी के अंत और 9वीं शताब्दी के प्रारंभ** में की थी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **शैक्षणिक महत्त्व:**
  - विक्रमशिला विश्वविद्यालय **तांत्रिक** बौद्ध धर्म **एवं वज्रयान बौद्ध परंपरा** के एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरा और इन सिद्धांतों के प्रसार में **महत्त्वपूर्ण भूमिका** निभाई।
  - यह संस्थान **गूढ़ एवं तांत्रिक अध्ययन** में विशेषज्ञता के लिये प्रसिद्ध था, जो इसे **नालंदा विश्वविद्यालय से अलग बनाता था**।
  - पाठ्यक्रम में धर्मशास्त्र, दर्शन, व्याकरण, तत्वमीमांसा, तर्कशास्त्र एवं तंत्र जैसे विविध विषय शामिल थे, जो इसकी **शैक्षणिक समृद्धि** को दर्शाते हैं।
  - यहाँ **भारत एवं विदेशों से लगभग 1,000 छात्र एवं 100 शिक्षक** अध्ययन-अध्यापन हेतु आते थे, जो इसे एक **अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शिक्षा केंद्र** बनाता है।
- **विशेषताएँ एवं संरचना:**
  - विश्वविद्यालय का केंद्र बिंदु **208 कक्षों से घिरा एक भव्य स्तूप** था, जहाँ **विद्यार्थी एवं भिक्षु अध्ययन एवं ध्यान** में संलग्न रहते थे।
  - इसमें **एक अनूठी शीतलन प्रणाली से युक्त पुस्तकालय** था।
  - विश्वविद्यालय का प्रशासन एक **कुलपति (महास्थविर)** द्वारा संचालित किया जाता था, जो इसके **सुनियोजित एवं सुचारू संचालन** के लिये उत्तरदायी होता था।
- **पतन:**
  - **1203 ई. के आसपास**, **मुहम्मद बिन बख्तियार खिलजी** के आक्रमण के कारण यह विश्वविद्यालय **नष्ट हो गया**।

भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण

- **संस्कृति मंत्रालय** के तहत ASI देश की सांस्कृतिक विरासत के पुरातात्त्विक अनुसंधान और संरक्षण के लिये प्रमुख संगठन है।
  - **यह प्राचीन स्मारक तथा पुरातत्त्व स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 के तहत देश के भीतर** सभी पुरातात्त्विक उपक्रमों की देख-रेख करता है।
- यह 3,650 से अधिक प्राचीन स्मारकों, पुरातात्त्विक स्थलों और राष्ट्रीय महत्त्व के अवशेषों का प्रबंधन करता है।
- इसकी गतिविधियों में पुरातात्त्विक अवशेषों का सर्वेक्षण करना, पुरातात्त्विक स्थलों की खोज और उत्खनन, संरक्षित स्मारकों का संरक्षण तथा रखरखाव आदि शामिल हैं।
- इसकी स्थापना **वर्ष 1861 में ASI के पहले महानिदेशक** अलेक्जेंडर कनिंघम **द्वारा की** गई थी। अलेक्जेंडर कनिंघम को "भारतीय पुरातत्त्व का जनक" भी कहा जाता है।

बक्सर और पश्चिम चंपारण में SEZ

चर्चा में क्यों ?

बिहार के उद्योग मंत्री ने **बक्सर** और **पश्चिम चंपारण** में स्पेशल इकॉनोमिक ज़ोन (SEZ) स्थापित करने की घोषणा की।

मुख्य बिंदु

- **मुद्दे के बारे में:**
  - केंद्र सरकार ने इनके गठन को **नवंबर 2024** तक मंजूरी प्रदान की थी। **ये ज़ोन** बक्सर **के नवानगर** और पश्चिम चंपारण **के कुमारबाग** में स्थापित किये जाएंगे।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- इनकी स्थापना से इन क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियाँ बढ़ने की उम्मीद है, जिससे रोज़गार सृजन और औद्योगिकीकरण को बढ़ावा मिलेगा।

- **विशेष आर्थिक क्षेत्र**
  - **परिचय:**
    - विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) किसी देश के भीतर ऐसे क्षेत्र हैं जो प्रायः शुल्क मुक्त (राजकोषीय रियायत) होते हैं और यहाँ मुख्य रूप से निवेश को प्रोत्साहित करने तथा रोज़गार पैदा करने के लिये अलग-अलग व्यापार और वाणिज्यिक कानून होते हैं।
    - SEZ इन क्षेत्रों को बेहतर ढंग से संचालित करने के लिये भी बनाए गए हैं, जिससे व्यापार करने में आसानी होती है।
  - **भारत में SEZ:**
    - एशिया का **पहला** निर्यात प्रसंस्करण क्षेत्र (**Export Processing Zones- EPZ**) वर्ष 1965 में **कांडला**, **गुजरात** में स्थापित किया गया था।
    - इन EPZs की संरचना SEZ के समान थी, सरकार ने वर्ष 2000 में EPZ की ढाँचागत और नौकरशाही चुनौतियों के निवारण के लिये विदेश व्यापार नीति के तहत SEZ की स्थापना शुरू की।
    - विशेष आर्थिक क्षेत्र अधिनियम वर्ष 2005 में पारित किया गया और वर्ष 2006 में SEZ नियमों के साथ लागू हुआ।
    - वर्तमान में **379 SEZs अधिसूचित** हैं, जिनमें से 265 चालू हैं। लगभग 64% SEZ पाँच राज्यों - तमिलनाडु, तेलंगाना, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र में स्थित हैं।
    - **अनुमोदन बोर्ड सर्वोच्च निकाय** है और इसका नेतृत्व वाणिज्य विभाग (**वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय**) के सचिव द्वारा किया जाता है।
    - भारत की मौजूदा SEZ नीति का अध्ययन करने के लिये वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा बाबा कल्याणी के नेतृत्व वाली समिति का गठन किया गया था और नवंबर 2018 में अपनी सिफारिशें प्रस्तुत की थीं।
- इसे विश्व व्यापार संगठन (WTO) को अनुकूल बनाने और अधिकतम क्षमता का उपयोग करने तथा SEZs के संभावित उत्पादन को अधिकतम करने हेतु वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को लाने की दिशा में SEZ नीति का मूल्यांकन करने के व्यापक उद्देश्य के साथ स्थापित किया गया था।

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME